एक जज़ीरा धूप का

रमेन्द्र जाखू 'साहिल'

Scanned by TapScanner

क्रम

पेश लफ़्ज़/डॉ. बशीर बद्र	11
अपनी बात	17
शिकवा ही क्या जो उम्र भर राहत मिली नहीं....	19
आपने ऐसा मसीहा भी कभी देखा है क्या ?...	20
कोई साज़िश कहीं हुई होगी...	21
मौसम तो ठीक ठाक है हम ही उदास हैं...	22
मैं खुद बुत बनाता हूं खुद पूजता हूँ...	23
सुब्ह रब की, दिन जहाँ का, शाम मय की हो गई...	24
कोई अच्छी ख़बर सुना प्यारे...	25
यह जो उलझी हुई-सी ज़िंदगी है...	26
एक इक पल ने हिदायत की है...	27
कैसी कैसी आग बरसाती हवा...	28
बेवफ़ा वक़्त से वफ़ा माँगे...	29
कौन सदमों के समन्दर दे गया...	30
ज़िंदगी आ पास कुछ बातें करें...	31
खो गया है ज़िंदगी का काफ़िया...	32
खुदाया काश! यह भी मोअजज़ा हो...	33
मुझ को यह तो यकीं कामिल है...	34
वक़्त उस पर गरां न हो जाये...	35
बात दिल की आप जब दिल से कहें...	36
ज़िंदगी के रंग मद्धम पड़ गये...	37
पास रह कर भी मैं खुद से दूर हूँ...	38
जी रहा हूँ मैं पराई ज़िंदगी...	39

Scanned by TapScanner

आँखों में उम्मीद के मैं हंस पालूँ किस लिए ?...	40
अपने ही क़ौल-ओ-फ़ेल पे जिसकी नज़र नहीं...	41
ज़ुल्म की अब इन्तेहा हो जायेगी...	42
तीरगी अब दूर होती जा रही है...	43
जो ग़मों से सजी नहीं होती...	44
जितना रुतबा ऊँचा होगा...	45
ज़िंदगी है ज़र्द पत्तों का सफ़र...	46
तिलमिलाने से मिलेगा कुछ नहीं...	47
ज़िंदगी मज़बूर होती जा रही है...	48
अब यह रिश्तों को क्या हो गया है...	49
आजकल कैसे करिश्मे हो रहे हैं...	50
क़ौम जो बरक़े तपां हो जायेगी...	51
ग़रीब मुल्क में ख़्वाहिश फ़क़ीर होती है...	52
जिसका कोई आसरा नहीं होता...	53
ज़माने को ये अब होने लगा क्या ?...	54
दूसरों का जो ग़म समझते हैं...	55
दुश्मन-ए-जां किस क़द्र हालात हैं...	56
हर बशर अब बर सरे पैकार है...	57
तेरे क़दमों को मैं रोकूँ तो क्यों कर ?...	58
सोए सपनों के जगाने की ज़रूरत क्या है ?...	59
हो तुझे भी मेरी आरज़ू...	60
इक ख़ज़ाना दर्द का तूने दिया...	61
राह जब कोई बनाई जायेगी...	62
पास आकर प्यार की आवाज़ सुन...	63
'हे राम'	64
एक जज़ीरा धूप का	65
करगिल	66

Scanned by TapScanner

वापसी	67
हवस	68
आग़ाज़	69
शर्त	70
जन्मदिन	71
तुम्हारे लिए	72
गुनाह से पहले	74
एहसास	75
आज भी	76
नया-साल	77
एक पाकिस्तानी दोस्त के नाम	78
चलो! आज से कुछ यूँ कर लें...	79
अब यही बेहतर है...	80

Scanned by TapScanner